रानी दुर्गावती विष्वविद्यालय, जबलपुर

एम. ए.(हिन्दी) सेमेस्टर पद्धति

निर्धारित पाठ्यक्रम

प्रथम एवं द्वितीय सेमेस्टर सत्र– 2014–15

प्रष्न पत्र– एक — हिन्दी साहित्य का इतिहास एवं उसकी सांस्कृतिक पृष्ठभूमि

प्रष्न पत्र– दो — प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य

प्रष्न पत्र–तीन — भारतीय एवं पाष्चात्य काव्यषास्त्र

प्रष्न पत्र–चार — हिन्दी उपन्यास एवं कहानी साहित्य

तृतीय एवं चतुर्थ सेमेस्टर सत्र– 2014–15

प्रष्न पत्र– एक — आधुनिक हिन्दी काव्य

प्रष्न पत्र– दो — भाषा विज्ञान एवं हिन्दी भाषा

प्रष्न पत्र–तीन — नाटक, निबंध एवं अन्य गद्य विधायें

प्रष्न पत्र–चार — वैकल्पिक –

(क) साहित्यिक वर्ग

(ख) व्यवसायिक वर्ग

(ग) लोक साहित्य

(घ) लघु षोध प्रबंध

(क) साहित्यिक वर्ग –

विशेष कवि – कबीर/तुलसीदास/सूरदास/निराला/माखनलाल चतुर्वेदी

नाटककार – प्रसाद/ मोहन राकेष

कथाकार – प्रेमचंद

(ख) व्यावसायिक वर्ग –

(1) प्रयोजनमूलक हिन्दी
(2) अनुवाद विज्ञान
(3) पत्रकारिता प्रषिक्षण
(4) राजभाषा प्रषिक्षण
(5) भाषा षिक्षण
(6) दृष्य–श्रव्य विज्ञान

नोट–सेमेस्टर पद्धति में प्रत्येक प्रष्नपत्र 40 अंक का एवं आंतरिक मूल्यांकन 10 अंक के होंगें। इस तरह कुल 50 अंक होंगे।

रानी दुर्गावती विष्वविद्यालय, जबलपुर

एम. ए.(हिन्दी) सेमेस्टर पद्धति, प्रथम सेमेस्टर सत्रः– 2014–15

निर्धारित पाठ्यक्रम **प्रष्नपत्र–एक** **पूर्णांक–40**

हिन्दी साहित्य का इतिहास एवं उसकी सांस्कृतिक पृष्ठभूमि

(आदिकाल एवं मध्यकाल)

इकाई –1– सांस्कृतिक पृष्ठभूमि एवं काल विभाजन, हिन्दी साहित्य के इतिहास के लेखन की परंपरा, और साहित्येतिहास के पुनर्लेखन की समस्याएँ।

इकाई –2– हिन्दी साहित्य के आदिकाल की पृष्ठभूमि, साहित्यिक प्रवृत्तियाँ, काव्यधाराएँ, गद्य साहित्य, प्रतिनिधि रचनाकार और उनकी रचनाएँ।

इकाई –3– पूर्वमध्यकाल भक्तिकाल की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, सांस्कृतिक–चेतना एवं भक्ति–आंदोलन, विभिन्न काव्यधाराएँ तथा उनका विष्लेषण, प्रमुख निर्गुण संत कवि और उनका अवदान।

इकाई –4– राम काव्य और कृष्ण काव्य : प्रमुख कवि और उनका रचनागत वैषिष्ट्य।

इकाई –5– उत्तर मध्यकाल–रीतिकाल की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, काल सीमा और नामकरण, विविध धाराएँ रीतिबद्ध, रीति सिद्ध, रीति मुक्त प्रवृत्तियाँ और विषेषताएँ।

भारतीय संस्कृति के विभिन्न चरणों का सामान्य ज्ञान/हिन्दी साहित्य के विभिन्न कालों की सांस्कृतिक पृष्ठभूमि एवं साहित्य और संस्कृति का परस्पर संबंध।

अंक विभाजन–	वस्तुनिष्ठ प्रश्न – $10 \times 1 = 10$	
	दीर्घ उत्तरीय प्रश्न – $5 \times 6 = 30$	
		40
आंतरिक मूल्यांकन	+	10
	कुल –	50

संदर्भ ग्रंथ सूची–

1.हिन्दी साहित्य का इतिहास–आचार्य रामचंद्र षुक्ल, काषी प्रचारिणी सभा,

2.हिन्दी साहित्य का उद्‌भव और विकास–आचार्य हजारी प्रसाद द्विवदी, राजकमल प्रकाषन, दिल्ली,

3. संस्कृति के चार अध्याय– रामधारी सिंह दिनकर उदयांचल प्रकाषन पटना,

4.हिन्दी साहित्य की भूमिका–आचार्य हजारी प्रसाद द्विवदी, राजकमल प्रकाषन, दिल्ली,

5. हिन्दी साहित्य का इतिहास–डॉ. नगेन्द्र मयूर पेपर बेक्स दिल्ली,

6.हिन्दी रीति साहित्य–राजकमल प्रकाषन दिल्ली।

रानी दुर्गावती विष्वविद्यालय, जबलपुर

एम. ए.(हिन्दी) सेमेस्टर पद्धति, प्रथम सेमेस्टर सत्रः– 2014–15

निर्धारित पाठ्यक्रम **पूर्णांक–40**

प्रष्नपत्र–द्वितीय : प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य

इकाई –1– चंदबरदाई – पृथ्वीराज रासो (संपा.–आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी एवं डॉ. नामवर सिंह), षषिव्रता विवाह प्रस्ताव (पद क्रं. 1 से 102 तक)।

इकाई –2– विद्यापति – (संपा.आनंद प्रकाष दीक्षित)
(पद क्रं. 3, 5, 6, 7, 8, 50 , 51, 52, 53, 54, 55, 56, 59, 62, 64, 70, 72, 73, 74, 77) ।

इकाई –3– कबीरदास – कबीर ग्रंथावली (संपा. डॉ. ष्यामसुंदर दास)
पचास साखी एवं पाँच सबद(पद)।

1. गुरूदेव को अंग – प्रारंभिक दस साखियाँ
2. सुमिरण को अंग – प्रारंभिक दस साखियाँ
3. विरह को अंग – प्रारंभिक दस साखियाँ
4. ज्ञान विरह को अंग – प्रारंभिक दस साखियाँ
5. परचा को अंग – प्रारंभिक दस साखियाँ

प्रारंभिक पाँच सबद(पद)।

इकाई –4– मलिक मुहम्मद जायसी : पद्मावत : आचार्य रामचंद्र षुक्ल (नागमति वियोग खंड)

इकाई –5– द्रुत पाठ के कवि : सरहपाद, गोरखनाथ, अमीर खुसरो, जगनिक, सुंदरदास, रैदास, कुतुबन।

अंक विभाजन–	वस्तुनिष्ठ प्रश्न – 10 × 1 = 10	
	दीर्घ उत्तरीय प्रश्न – 5 × 6 = 30	
		40
आंतरिक मूल्यांकन	+	10
	कुल –	50

संदर्भ ग्रंथ सूची–

1.पृथ्वी राज रासो–संपादक–आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी,

2.विद्यापति–डॉ.आनंद प्रकाष दीक्षित,

3.कबीर– कबीर ग्रंथावली, संपादक–डॉ.ष्यामसुंदर दास,

4.कबीरदास–डॉ.कांतिकुमार, किताबघर ग्वालियर,

5.जायसी–पद्मावत–संपादक–आचार्य रामचंद्र षुक्ल

6.कबीर की विचारधारा–गोविंद त्रिगुणायत, साहित्य निकेतन कानपुर।

रानी दुर्गावती विष्वविद्यालय, जबलपुर

एम. ए.(हिन्दी) सेमेस्टर पद्धति, प्रथम सेमेस्टर सत्रः– 2014–15

निर्धारित पाठ्यक्रम **पूर्णांक–40**

प्रष्नपत्र–तृतीय : भारतीय काव्यषास्त्र

इकाई –1– संस्कृत काव्यषास्त्र : काव्य–लक्षण, काव्य–हेतु, काव्य–प्रयोजन, काव्य के प्रकार।

इकाई –2– रस–सिद्धांत : रस का स्वरूप, रस–निष्पत्ति, रस के अंग, साधारणीकरण, सहृदय की अवधारणा।

अलंकार–सिद्धांत : मूल स्थापनाएँ, अलंकारों का वर्गीकरण।

इकाई –3– रीति–सिद्धांत : रीति की अवधारणा, काव्य–रीति एवं षैली, गुण, रीति सिद्धांत की प्रमुख अवधारणाएँ।

ध्वनि–सिद्धांत : ध्वनि का स्वरूप, ध्वनि–सिद्धांत की प्रमुख स्थापनाएँ, ध्वनि काव्य के प्रमुख भेद, गुणीभूत–व्यंग्य, चित्र–काव्य।

इकाई –4– वक्रोक्ति–सिद्धांत : वक्रोक्ति की अवधारणा, वक्रोक्ति के भेद, वक्रोक्ति एवं अभिव्यंजनावाद।

इकाई –5– (क)हिन्दी कवि–आचार्यों का काव्यषास्त्रीय चिंतन : लक्षण–काव्य परंपरा एवं कवि–चिंतन :

(ख) हिन्दी आलोचना की प्रमुख प्रवृत्तियाँ :

1. षास्त्रीय, व्यक्तिवादी, ऐतिहासिक, तुलनात्मक, प्रभाववादी, मनोविष्लेषणवादी, सौंदर्यषास्त्रीय, षैलीवैज्ञानिक और समाजषास्त्रीय।
2. व्यवहारिक समीक्षा : प्रष्नपत्र में पूछे गये किसी काव्यांष की स्वविवेक के अनुसार समीक्षा।

अंक विभाजन–	वस्तुनिष्ठ प्रश्न – 10 × 1 = 10	
	दीर्घ उत्तरीय प्रश्न – 5 × 6 = 30	
		40
आंतरिक मूल्यांकन	+	10
	कुल –	50

संदर्भ ग्रंथ सूची–

1.भारतीय काव्यषास्त्र–प्रो.सत्यदेव चौधरी,

2.रस सिद्धांत–डॉ.सुंदरलाल कथूरिया,

3.रस–मीमांसा– आचार्य रामचंद्र षुक्ल,

4.ध्वनि सिद्धांत तथा तुलनीय साहित्य चिंतन–डॉ. बच्चूलाल अवस्थी,म. प्र. हिन्दी ग्रंथ अकादमी,

5.हिन्दी साहित्यषास्त्र–डॉ.कृष्ण वल्लभ जोषी।

रानी दुर्गावती विष्वविद्यालय, जबलपुर

एम. ए.(हिन्दी) सेमेस्टर पद्धति, प्रथम सेमेस्टर सत्रः– 2014–15

निर्धारित पाठ्यक्रम **पूर्णांक–40**

प्रष्नपत्र–चतुर्थ : हिन्दी उपन्यास एवं कहानी साहित्य

इकाई –1– हिन्दी उपन्यास साहित्य की प्रमुख प्रवृत्तियाँ।
इकाई –2– गोदान– प्रेमचंद।
इकाई –3– मैला आँचल– फणीष्वर नाथ 'रेणु'।
इकाई –4– रानी दुर्गावती– वृदांवनलाल वर्मा।
इकाई –5– मानस का हंस– अमृतलाल नागर।

अंक विभाजन–	वस्तुनिष्ठ प्रश्न – 10 × 1 = 10	
	दीर्घ उत्तरीय प्रश्न – 5 × 6 = 30	
		40
आंतरिक मूल्यांकन	+	10
	कुल –	50

संदर्भ ग्रंथ सूची–

1.प्रेमचंद और उनका युग–डॉ. रामविलास षर्मा, राजकमल प्रकाषन दिल्ली,

2.मैला आँचल की रचना प्रक्रिया–देवेष ठाकुर, वाणी प्रकाषन दिल्ली,

3.उपन्यास और राजनीति–डॉ. सुषमा षर्मा, स्मृति प्रकाषन, इलाहबाद,

4.हिन्दी उपन्यास साहित्यः वैचारिक आंदोलन का प्रभाव– डॉ. पी. के. पण्डया,पंकज पब्लिकेषन

5.हिन्दी उपन्यास– गोविंद त्रिगुणायत, साहित्य निकेतन कानपुर।

रानी दुर्गावती विष्वविद्यालय, जबलपुर

एम. ए.(हिन्दी) सेमेस्टर पद्धति, द्वितीय सेमेस्टर सत्रः– 2014–15

निर्धारित पाठ्यक्रम प्रष्नपत्र–एक पूर्णांक–40

हिन्दी साहित्य का इतिहास एवं उसकी सांस्कृतिक पृष्ठभूमि

इकाई –1– आधुनिक काल– आधुनिक काल की सामाजिक, राजनीतिक, आर्थिक एवं सांस्कृतिक पृष्ठभूमि, सन् 1857 ई. का प्रथम स्वाधीनता संग्राम और पुनर्जागरण।
भारतेन्दु युग– प्रमुख साहित्यकार, रचनाएँ और साहित्यिक विषेषताएँ।
इकाई –2– द्विवेदी युग– प्रमुख साहित्यकार, रचनाएँ और साहित्यिक विषेषताएँ। हिन्दी स्वच्छंदतावादी चेतना का अग्रिम विकास छायावादी काव्य, प्रमुख साहित्यकार, रचनाएँ और साहित्यिक विषेषताएँ।
इकाई –3– उत्तरछायावाद की विविध प्रवृत्तियाँ– प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नयी कविता। प्रमुख साहित्यकार, रचनाएँ और साहित्यिक विषेषताएँ।
इकाई –4– हिन्दी गद्य की प्रमुख विधाएँ कहानी, उपन्यास, नाटक, निबंध आदि।
इकाई –5– संस्मरण, रेखाचित्र, जीवनी, आत्मकथा का विकास। हिन्दी आलोचना का उद्भव एवं विकास। स्त्री विमर्ष और दलित विमर्ष का परिचय।

अंक विभाजन–	वस्तुनिष्ठ प्रश्न – 10 × 1 = 10	
	दीर्घ उत्तरीय प्रश्न – 5 × 6 = 30	
		40
आंतरिक मूल्यांकन	+	10
	कुल –	50

संदर्भ ग्रंथ सूची–

1.भारतेंदु हरिष्चंद्र और हिन्दी नवजागरण की समस्याएँ–डॉ. रामविलास षर्मा, राजकमल प्रकाषन,दिल्ली,

2.स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी साहित्य–डॉ. लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय, राजकमल प्रकाषन,दिल्ली,

3.हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास– डॉ. बच्चन सिंह,

4.हिन्दी साहित्य का इतिहास– डॉ. विजयेन्द्र स्नातक, साहित्य अकादमी, नई दिल्ली।

रानी दुर्गावती विष्वविद्यालय, जबलपुर

एम. ए.(हिन्दी) सेमेस्टर पद्धति, द्वितीय सेमेस्टर सत्रः– 2014–15

निर्धारित पाठ्यक्रम **पूर्णांक–40**

प्रष्नपत्र–द्वितीय : प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य

(मध्यकालीन काव्य)

इकाई –1– सूरदास– भ्रमरगीत सार (संपादक–आचार्य रामचंद्र षुक्ल) प्रारंभिक 50 पद।

इकाई –2– तुलसीदास– रामचरितमानस, गीताप्रेसगोरखपुर
अयोध्याकाण्ड (दोहा 125 से 175 तक) 60 दोहे।

इकाई –3– बिहारीलाल– बिहारी रत्नाकर (संपादक–पं. जगन्नाथदास रत्नाकर)प्रारंभिक 50 दोहे।

इकाई –4– घनानंद– (संपादक–विष्वनाथ प्रसाद मिश्र) प्रारंभिक दोहे 25 छंद।

इकाई –5– द्रुत पाठ के कवि– नंददास, मीराबाई, रसखान, केषवदास, भूषण, पद्माकर, रहीम।

अंक विभाजन–	वस्तुनिष्ठ प्रश्न – 10 × 1 = 10	
	दीर्घ उत्तरीय प्रश्न – 5 × 6 = 30	
		40
आंतरिक मूल्यांकन	+	10
	कुल –	50

संदर्भ ग्रंथ सूची–

1.सूर साहित्य– आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी

2.सूरदास–मुंषीराम षर्मा 'सोम',

3.श्री रामचरितमानस–श्री विनायकी टीका सहित, पं. विनायकराव 'नायक', म.प्र. हिन्दी साहित्य सम्मेलन

4.बिहारी का नया मूल्यांकन–डॉ. बच्चन सिंह, हिन्दी विचारक संस्थान,वाराणसी,

5.रीतिकाव्यधारा–डॉ. रामचंद्र तिवारी, वि.वि. प्रकाषन, वाराणसी।

रानी दुर्गावती विष्वविद्यालय, जबलपुर

एम. ए.(हिन्दी) सेमेस्टर पद्धति, द्वितीय सेमेस्टर सत्रः– 2014–15

निर्धारित पाठ्यक्रम **पूर्णांक–40**

प्रष्नपत्र–तृतीय : पाष्चात्य काव्यषास्त्र

इकाई –1– प्लेटो : काव्य–सिद्धांत, अरस्तू : अनुकरण–सिद्धांत, त्रासदी–विवेचन, विरेचन सिद्धांत। लोंजाइनस : उदात्त की अवधारणा।

इकाई –2– ड्राइडन के काव्य सिद्धांत, वड्र्सवर्थ : काव्य–भाषा का सिद्धांत, कॉलरिज : कल्पना–सिद्धांत और ललित–कल्पना।

इकाई –3– मैथ्यू आर्नल्ड : आलोचना का स्वरूप और प्रकार्य। टी. एस. इलियट : परंपरा की परिकल्पना और वैयक्तिक प्रज्ञा, निर्वैयक्तिकता का सिद्धांत, वस्तुनिष्ठ समीकरण, संवेदनषीलता का असाहचर्य, आई. ए. रिचर्ड्स : रागात्मक अर्थ संवेगों का संतुलन, व्यवहारिक आलोचना।

इकाई –4– सिद्धांत और वाद : अभिजात्यवाद, स्वच्छंदतावाद, अभिव्यंजनावाद, मार्क्सवाद, मनोविष्लेषण तथा अस्तित्ववाद।

इकाई –5– आधुनिक समीक्षा की विषिष्ठ प्रवृत्तियाँ : संरचनावाद, षैलीविज्ञान, विखंडनवाद, उत्तर आधुनिकतावाद।

अंक विभाजन–	वस्तुनिष्ठ प्रश्न – 10 × 1 = 10	
	दीर्घ उत्तरीय प्रश्न – 5 × 6 = 30	
		40
आंतरिक मूल्यांकन	+	10
	कुल –	50

संदर्भ ग्रंथ सूची–

1.पाष्चात्य काव्यषास्त्र का इतिहास–डॉ. तारकनाथ बाली, मैकमिलन,

2.पाष्चात्य काव्यषास्त्र–डॉ. कृष्ण वल्लभ जोषी, स्मृति प्रकाषन, इलाहबाद,

3..पाष्चात्य साहित्य चिंतन–निर्मला जैन, राधाकृष्ण प्रकाषन, दिल्ली,

4.हिन्दी साहित्यषास्त्र–डॉ. कृष्ण वल्लभ जोषी, स्मृति प्रकाषन, इलाहबाद।

रानी दुर्गावती विष्वविद्यालय, जबलपुर

एम. ए.(हिन्दी) सेमेस्टर पद्धति, द्वितीय सेमेस्टर सत्रः– 2014–15

निर्धारित पाठ्यक्रम **पूर्णांक–40**

प्रष्नपत्र–चतुर्थ : हिन्दी कहानी साहित्य

इकाई –1– हिन्दी कहानी साहित्य की प्रमुख प्रवृत्तियाँ।

कहानियाँ–

इकाई –2– उसने कहा था– चंद्रधर षर्मा 'गुलेरी', दो बाँके– भगवतीचरण वर्मा,
ताई– विष्वंभरनाथ षर्मा 'कौषिक', हार की जीत–सुदर्षन, मंत्र– प्रेमचंद।

इकाई –3– पुरुस्कार– जयषंकर प्रसाद, पत्नी– जैनेन्द्र कुमार, परदा–यषपाल,
ठेस– फणीष्वरनाथ 'रेणु', रोज–अज्ञेय,,।

इकाई –4– आर्द्रा–मोहन राकेष, राजा निरबंसिया– कमलेष्वर,
सिक्का बदल गया– कृष्णा सोबती, चीफ की दावत– भीष्म साहनी,
वापसी– उषा प्रियंवदा।

इकाई –5– जलती झाड़ी– निर्मल वर्मा, नकली हीरे– मन्नू भंडारी,
फेंस के इधर–उधर –ज्ञानरंजन, दोपहर का भोजन– अमरकांत, तिरिछ–उदय प्रकाष।

अंक विभाजन–	वस्तुनिष्ठ प्रश्न	– 10 × 1 = 10
	दीर्घ उत्तरीय प्रश्न	– 5 × 6 = 30
		40
आंतरिक मूल्यांकन		+ 10
	कुल –	50

संदर्भ ग्रंथ सूची–

1.हिन्दी कहानी–डॉ.रामदरष मिश्र,

2.समकालीन हिन्दी कहानी–डॉ.अमर सिंह वधान।

3.आधुनिक हिन्दी कहानी–डॉ.लक्ष्मी नारायण लाल, वाणी प्रकाषन, दिल्ली,

4.समकालीन कहानी की पहचान–डॉ. नरेन्द्र मोहन, वाणी प्रकाषन, दिल्ली,।

5.ज्ञानरंजन की कहानियाँ : परिवर्तित दृष्यपटल का मनुष्य–डॉ. संजुल षर्मा, विनायक प्रकाषन, जबलपुर।

रानी दुर्गावती विष्वविद्यालय, जबलपुर

एम. ए.(हिन्दी) सेमेस्टर पद्धति, तृतीय सेमेस्टर सत्रः– 2015–16

निर्धारित पाठ्यक्रम **पूर्णांक–40**

प्रष्नपत्र–प्रथम : आधुनिक हिन्दी काव्य

इकाई –1– व्याख्यांष– 1.मैथिलीषरण गुप्त–साकेत का नवम् सर्ग (मुझे फूल मत मारो तक),
2.जयषंकर प्रसाद–कामायनी– श्रद्धा व लज्जा सर्ग,
3.सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'–राम की षक्ति पूजा, सरोज–समृति,
4.सुमित्रानंदन पंत–नौका विहार, परिवर्तन।

इकाई –2– मैथिलीषरण गुप्त एवं जयषंकर प्रसाद से संबंधित समीक्षात्मक प्रष्न।

इकाई –3– सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' एवं सुमित्रानंदन पंत से संबंधित समीक्षात्मक प्रष्न।

इकाई –4– आधुनिक हिन्दी काव्य (छायावाद तक) की प्रमुख प्रवृत्तियाँ।

इकाई –5– द्रुतपाठ के निर्धारित कवि–
जगन्नाथ दास रत्नाकर, अयोध्याप्रसाद उपाध्याय 'हरिऔध' महादेवी वर्मा और बालकृष्ण षर्मा 'नवीन', माखनलाल चतुर्वेदी, हरिवंषराय बच्चन।

अंक विभाजन–	वस्तुनिष्ठ प्रश्न – 10 × 1 = 10	
	दीर्घ उत्तरीय प्रश्न – 5 × 6 = 30	
		40
आंतरिक मूल्यांकन	+	10
	कुल –	50

संदर्भ ग्रंथ सूची–

1.मैथिलीषरण गुप्त–पुनर्मूल्यांकन–डॉ. नगेन्द्र, प्रभात प्रकाषन, दिल्ली,

2.जयषंकर प्रसाद–नंददुलारे बाजपेयी, भारती भंडार, इलाहबाद,

3.कामायनी : पुनर्मूल्यांकन–डॉ. रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाषन, इलाहबाद,

4.कामायनी : पुनर्विचार–मुक्तिबोध

5.निराला– डॉ. रामविलास षर्मा,

6.सुमित्रानंदन पंत : जीवन और साहित्य–डॉ.षांति जोषी, राजकमल प्रकाषन, दिल्ली,

7.छायावाद–डॉ.नामवर सिंह।

रानी दुर्गावती विष्वविद्यालय, जबलपुर

एम. ए.(हिन्दी) सेमेस्टर पद्धति, तृतीय सेमेस्टर सत्रः– 2015–16

निर्धारित पाठ्यक्रम **पूर्णांक–40**

प्रष्नपत्र–द्वितीय : भाषा विज्ञान एवं हिन्दी भाषा

इकाई –1– भाषा और भाषाविज्ञान– भाषा की परिभाषा और अभिलक्षण, भाषा व्यवस्था और भाषा व्यवहार, भाषा संरचना और भाषिक प्रकार्य, भाषाविज्ञान स्वरूप एवं व्याप्ति, अध्ययन की दिषाएँ– वर्णात्मक, ऐतिहासिक और तुलनात्मक।

इकाई –2– स्वन प्रक्रिया– स्वरूप और षाखाएँ, वाग्यंत्र और उनके कार्य स्वनिम की अवधारणा– स्वनों का वर्गीकरण, स्वन गुण स्वनिक–परिवर्तन।

इकाई –3– व्याकरण– रूप विज्ञान का स्वरूप, रूपिम की अवधारणा। वाक्य की अवधारणा, वाक्य के भेद, वाक्य विष्लेषण, निकटस्थ अवयव विष्लेषण, गहन संरचना और बाह्य संरचना।

इकाई –4– अर्थ विज्ञान– अर्थ की अवधारणा। षब्द और अर्थ का संबंध। अर्थ प्राप्ति के साधन और – अर्थ परिवर्तन।

इकाई –5– साहित्य और भाषाविज्ञान, साहित्य में अध्ययन में भाषाविज्ञान के अंगों की उपयोगिता।

अंक विभाजन–	वस्तुनिष्ठ प्रश्न – 10 × 1 = 10	
	दीर्घ उत्तरीय प्रश्न – 5 × 6 = 30	
		40
आंतरिक मूल्यांकन	+	10
	कुल –	50

संदर्भ ग्रंथ सूची–

1.भारतीय आर्यभाषा और हिन्दी–डॉ.सुनीति कुमार चाटुर्ज्या, राजकमल प्रकाषन, दिल्ली,

2.हिन्दी भाषा का इतिहास– डॉ. भोलानाथ तिवारी, वाणी प्रकाषन, दिल्ली,

3.आधुनिक भाषाविज्ञान– डॉ. भोलानाथ तिवारी, वाणी प्रकाषन, दिल्ली,

4.हिन्दी भाषा का उद्भव और विकास–डॉ.उदयनारायण तिवारी, लोकभारती प्रकाषन, इलाहबाद,

5.हिन्दी व्याकरण–कामता प्रसाद गुरू।

रानी दुर्गावती विष्वविद्यालय, जबलपुर

एम. ए.(हिन्दी) सेमेस्टर पद्धति, तृतीय सेमेस्टर सत्रः– 2015–16

निर्धारित पाठ्यक्रम **पूर्णांक–40**

प्रष्नपत्र–तृतीय : नाटक निबंध एवं अन्य गद्य विधाएँ

इकाई –1– (अ) प्रसाद युगीन एवं प्रसादोत्तर नाटकों की प्रमुख प्रवृत्तियाँ।
(ब) हिन्दी रंगमंच और उसका विस्तार।

इकाई –2– चंद्रगुप्त– जयषंकर प्रसाद।

इकाई –3– आधे–अधूरे :– मोहन राकेष।

इकाई –4– अंधों का हाथी– षरद जोषी।

इकाई –5– एकांकी– (1) दीपदान– रामकुमार वर्मा
(2) तांबे के कीड़े– भुवनेष्वर
(3) रीढ़ की हड्डी– जगदीष चंद्र माथुर
(4) तौलिये– उपेन्द्रनाथ अष्क
(5) नये मेहमान– उदयषंकर भट्ट

अंक विभाजन–	वस्तुनिष्ठ प्रश्न – 10 × 1 = 10	
	दीर्घ उत्तरीय प्रश्न – 5 × 6 = 30	
		40
आंतरिक मूल्यांकन	+	10
	कुल –	50

संदर्भ ग्रंथ सूची–

1.प्रसाद के नाटकों का षास्त्रीय अध्ययन–डॉ.जगन्नाथ प्रसाद षर्मा, वाणी प्रकाषन,

2.हिन्दी नाटक का मसीहा : मोहन राकेष–गोविंद चातक,

3.हिन्दी नाटक उद्भव और विकास–डॉ.दषरथ ओझा,

4.मोहन राकेष के साहित्य का समग्र मूल्यांकन–सुरेष चंद्र, आर्य प्रकाषन, दिल्ली।

5.बीसवीं षताब्दी का हिन्दी नाटक और रंगमंच–गिरीष रस्तोगी, भारतीय ज्ञानपीठ प्रकाषन, दिल्ली।

रानी दुर्गावती विष्वविद्यालय, जबलपुर

एम. ए.(हिन्दी) सेमेस्टर पद्धति, तृतीय सेमेस्टर सत्रः– 2015–16

निर्धारित पाठ्यक्रम **पूर्णांक–40**

प्रष्नपत्र–चतुर्थ : वैकल्पिक (क) साहित्यिक वर्ग–कबीरदास

इकाई –1– व्याख्याएँ– साखी :–गुरूदेव को अंग–प्रारंभिक 25साखियाँ, सुमिरण को अंग–प्रारंभिक 25साखियाँ, विरह को अंग–प्रारंभिक 25साखियाँ, ज्ञानविरह को अंग–प्रारंभिक 10साखियाँ, परचा को अंग– प्रारंभिक 25साखियाँ, रस को अंग–प्रारंभिक 08साखियाँ, चिंता को अंग–प्रारंभिक 25साखियाँ, मन को अंग–प्रारंभिक 25साखियाँ, माया को अंग–प्रारंभिक 20साखियाँ, कामना को अंग–प्रारंभिक 20साखियाँ, सोच को अंग–प्रारंभिक 20साखियाँ, उपदेष को अंग–प्रारंभिक 05साखियाँ।

इकाई –2– आलोचनात्मक प्रष्न– निर्गुण संप्रदाय और कबीर, संत काव्यधारा में कबीर का स्थान, कबीर का दर्षन एवं भक्ति भावना।

इकाई –3– कबीर के दार्षनिक विचार, कबीर की काव्य प्रतिभा, भाषा एवं अभिव्यंजना; कबीर का रहस्यवाद, हठयोग की साधना; कबीर का समाज सुधारक रूप एवं युग सापेक्षता।

इकाई –4– कबीर की साखियों का महत्व, कबीर की योग परक रूपक और उलटबासियाँ।

इकाई –5– द्रुतपाठ– (1) नानक (2) दादू
(3) पीपा (4)रैदास

अंक विभाजन–	वस्तुनिष्ठ प्रश्न – 10 × 1 = 10	
	दीर्घ उत्तरीय प्रश्न – 5 × 6 = 30	
		40
आंतरिक मूल्यांकन	+	10
	कुल –	50

संदर्भः– 1.कबीर ग्रंथावली– डॉ. ष्यामसुंदर दास

2.कबीरदास– डॉ. कांतिकुमार जैन, किताबघर ग्वालियर

3.संत कबीर– डॉ. रामकुमार वर्मा

4.कबीर एक अनुषीलन– डॉ. रामकुमार वर्मा, साहित्य भवन, इलाहबाद

5.कबीर का रहस्यवाद– डॉ. रामकुमार वर्मा, साहित्य भवन, इलाहबाद

रानी दुर्गावती विष्वविद्यालय, जबलपुर

एम. ए.(हिन्दी) सेमेस्टर पद्धति, तृतीय सेमेस्टर सत्रः– 2015–16

निर्धारित पाठ्यक्रम **पूर्णांक–40**

प्रष्नपत्र–चतुर्थ : वैकल्पिक (क) साहित्यिक वर्ग–तुलसीदास

इकाई –1– पाठ्य विषय– तुलसीदास :– रामचरितमानस, (गीताप्रेस–गोरखपुर)
व्याख्यांष–रामचरितमानस–बालकाण्ड, अयोध्याकाण्ड।
इकाई –2– तुलसीदास की युगीन पृष्ठभूमि– सामाजिक, राजनीतिक, आर्थिक परिस्थितियाँ।
इकाई –3– रामचरितमानस से संबंधित प्रष्न।
इकाई –4– हिन्दी में रामकाव्य परंपरा और उसके अन्य कवि।
इकाई –5– द्रुतपाठ– (1) दोहावली
(2) पार्वती मंगल
(3) जानकी मंगल।

अंक विभाजन–	वस्तुनिष्ठ प्रश्न – 10 × 1 = 10	
	दीर्घ उत्तरीय प्रश्न – 5 × 6 = 30	
		40
आंतरिक मूल्यांकन	+	10
	कुल –	50

संदर्भः– 1.तुलसी साहित्य सुधा– डॉ. भागीरथ मिश्र, साहित्य भवन इलाहबाद

2. तुलसी रसायन– डॉ. भागीरथ मिश्र, साहित्य भवन इलाहबाद

3.गोस्वामी तुलसी कृत रामचरितमानस 'श्री विनायकी टीका'–म.प्र. हिन्दी साहित्य सम्मेलन भोपाल

4.तुलसी काव्य मीमांसा– उदयभानुसिंह, राजकमल प्रकाषन, दिल्ली

5.रामचरितमानस एक साहित्यिक मूल्यांकन– सुधाकर पांडेय, राजकमल प्रकाषन, दिल्ली।

रानी दुर्गावती विष्वविद्यालय, जबलपुर

एम. ए.(हिन्दी) सेमेस्टर पद्धति, तृतीय सेमेस्टर सत्रः– 2015–16

निर्धारित पाठ्यक्रम **पूर्णांक–40**

प्रष्नपत्र–चतुर्थ : वैकल्पिक (क) साहित्यिक वर्ग–सूरदास

इकाई –1– प्रारंभ से मथुरागमन के पूर्व तक के पदों से व्याख्याएँ पूछी जायेंगी।
इकाई –2– निर्धारित पद (प्रारंभ से मथुरागमन से पूर्व तक) आलोचनात्मक प्रष्न।
इकाई –3– युगीन पृष्ठभूमि सामाजिक, राजनीतिक, आर्थिक परिस्थितियाँ।
इकाई –4– सूरदास का जीवन वृत्त, अंतः साक्ष्य, बाह्य साक्ष्य।
इकाई –5– द्रुतपाठ– (1) कुंभनदास
(2) कृष्णदास
(3) परमानंददास।

अंक विभाजन–	वस्तुनिष्ठ प्रश्न	– 10 × 1 = 10
	दीर्घ उत्तरीय प्रश्न	– 5 × 6 = 30
		40
आंतरिक मूल्यांकन		+ 10
	कुल –	50

संदर्भः– 1.सूरसागरसार– डॉ. धीरेन्द्र वर्मा, साहित्य भवन प्रा. लि. इलाहबाद

2.सूर साहित्य– आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाषन,दिल्ली

3.मध्यकालीन धर्म साधना– डॉ. हजारी प्रसाद द्विवेदी, साहित्य भवन, इलाहबाद

4.महाकवि सूर एक पुनष्चिंतन–डॉ. ब्रजेष्वर वर्मा

5.महाकवि सूरदास– आचार्य नंददुलारे बाजपेयी, राजकमल प्रकाषन, दिल्ली।

रानी दुर्गावती विष्वविद्यालय, जबलपुर

एम. ए.(हिन्दी) सेमेस्टर पद्धति, तृतीय सेमेस्टर सत्रः– 2015–16

निर्धारित पाठ्यक्रम **पूर्णांक–40**

प्रष्नपत्र–चतुर्थ : वैकल्पिक (क) साहित्यिक वर्ग–सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'

इकाई –1– व्याख्यांष– परिमल और गीतिका।
इकाई –2– छायावाद और छायावादोत्तर काव्य परिवेष तथा पृष्ठभूमि।
इकाई –3– निराला का व्यक्तित्व और कृतित्व।
इकाई –4– निराला पर आलोचनात्मक प्रष्न।
इकाई –5– द्रुतपाठ– (1) सुमित्रानंदन पंत
(2) महादेवी वर्मा
(3) माखनलाल चतुर्वेदी
(4) षिवमंगल सिंह 'सुमन'

अंक विभाजन–	वस्तुनिष्ठ प्रश्न – 10 × 1 = 10	
	दीर्घ उत्तरीय प्रश्न – 5 × 6 = 30	
		40
आंतरिक मूल्यांकन	+	10
	कुल –	50

संदर्भः– 1.निराला की साहित्य साधना– डॉ. रामविलास षर्मा, राजकमल प्रकाषन, दिल्ली।

रानी दुर्गावती विष्वविद्यालय, जबलपुर

एम. ए.(हिन्दी) सेमेस्टर पद्धति, तृतीय सेमेस्टर सत्रः– 2015–16

निर्धारित पाठ्यक्रम **पूर्णांक–40**

प्रष्नपत्र–चतुर्थ : वैकल्पिक (क) साहित्यिक वर्ग–माखनलाल चतुर्वेदी

1.व्याख्यांष– साहित्य देवता, दीप से दीप जले,।

2.राष्ट्रीय काव्यधारा का परिवेष तथा पृष्ठभूमि।

3.माखनलाल चतुर्वेदी का व्यक्तित्व और कृतित्व।

4.माखनलाल चतुर्वेदी कर आलोचनात्मक प्रष्न।

5.द्रुतपाठ– (1) मैथिलीषरण गुप्त,
(2) बालकृष्ण षर्मा'नवीन',
(3) नरेन्द्र षर्मा
(4) गयाप्रसाद षुक्ल 'सनेही',
(5) षिवमंगल सिंह 'सुमन'।

संदर्भः– 1. माखनलाल चतुर्वेदी–जीवन–ऋषि जैमिनी कौषिक बरुआ।

अंक विभाजन–	वस्तुनिष्ठ प्रश्न – 10 × 1 = 10	
	दीर्घ उत्तरीय प्रश्न – 5 × 6 = 30	
		40
आंतरिक मूल्यांकन	+	10
	कुल –	50

रानी दुर्गावती विष्वविद्यालय, जबलपुर

एम. ए.(हिन्दी) सेमेस्टर पद्धति, तृतीय सेमेस्टर सत्रः– 2015–16

निर्धारित पाठ्यक्रम **पूर्णांक–40**

प्रष्नपत्र–चतुर्थ : वैकल्पिक (क) साहित्यिक वर्ग–नाटककार जयषंकर प्रसाद

इकाई –1– व्याख्यांष– स्कंदगुप्त, चंद्रगुप्त, कामना।
इकाई –2– हिन्दी नाटक परंपरा और प्रगति तथा प्रसाद की नाट्य यात्रा।
इकाई –3– प्रसाद के नाटकों की पृष्ठभूमि, रंगमंचीय परिकल्पना तथा नाट्यषास्त्रीय चिंतन।
इकाई –4– प्रसाद के पाठ्य नाटकों पर आलोचनात्मक प्रष्न।
इकाई –5– द्रुतपाठ– (1) सेठ गोविंददास,
(2) भुवनेष्वर,
(3) मोहन राकेष,
(4) सुरेन्द्र वर्मा।

अंक विभाजन–	वस्तुनिष्ठ प्रश्न – 10 × 1 = 10	
	दीर्घ उत्तरीय प्रश्न – 5 × 6 = 30	
		40
आंतरिक मूल्यांकन	+	10
	कुल –	50

संदर्भः–

1.हिन्दी नाटक : उद्भव और विकास– डॉ. दषरथ ओझा, राजपाल एण्ड संस, दिल्ली,

2.प्रसाद के नाटकों का षास्त्रीय अध्ययन– डॉ. जगन्नाथ प्रसाद षर्मा,वाणी प्रकाषन,

3.प्रसाद के नाटकीयपात्र सृष्टि का मनोवैज्ञानिक विष्लेषण–डॉ. राधेष्याम षर्मा, चिन्मय प्रकाषन, दिल्ली,

4.जयषंकर प्रसाद साहित्य–संपादक– सुधाकर पाण्डेय, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी,

5.बीसवींषताब्दी का हिन्दी नाटक और रंगमंच–गिरीष रस्तोगी–भारतीय ज्ञानपीठ, दिल्ली।

रानी दुर्गावती विष्वविद्यालय, जबलपुर

एम. ए.(हिन्दी) सेमेस्टर पद्धति, तृतीय सेमेस्टर सत्रः– 2015–16

निर्धारित पाठ्यक्रम **पूर्णांक–40**

प्रष्नपत्र–चतुर्थ : वैकल्पिक (क) साहित्यिक वर्ग–मोहन राकेष

इकाई –1– व्याख्यांष– अषाढ़ का एक दिन, लहरों के राजहंस।

इकाई –2– हिन्दी नाटक की परंपरा और मोहन राकेष।

इकाई –3– समकालीन सामाजिक परिस्थितियाँ और मोहन राकेष।

इकाई –4– मोहन राकेष के पठित नाटकों पर आलोचनात्मक प्रष्न।

इकाई –5– द्रुतपाठ– (1) भुवनेष्वर
(2) लक्ष्मीनारायण मिश्र
(3) धर्मवीर भारती
(4) सुरेन्द्र वर्मा।

अंक विभाजन–	वस्तुनिष्ठ प्रश्न – 10 × 1 = 10	
	दीर्घ उत्तरीय प्रश्न – 5 × 6 = 30	
		40
आंतरिक मूल्यांकन	+	10
	कुल –	50

रानी दुर्गावती विष्वविद्यालय, जबलपुर

एम. ए.(हिन्दी) सेमेस्टर पद्धति, तृतीय सेमेस्टर सत्रः– 2015–16

निर्धारित पाठ्यक्रम **पूर्णांक–40**

प्रष्नपत्र–चतुर्थ : वैकल्पिक (क) साहित्यिक वर्ग–कथाकार प्रेमचंद

इकाई –1– गोदान– उपन्यास, कहानी– बूढ़ी काकी, बड़े भाई साहब, षतरंज के खिलाड़ी।
इकाई –2– प्रेमचंद युगीन परिवेष।
इकाई –3– हिन्दी उपन्यास परंपरा और प्रेमचंद।
इकाई –4– हिन्दी कहानी का उद्‌भव, विकास और प्रेमचंद।
इकाई –5– द्रुतपाठ– (1) विष्वंभर नाथ षर्मा 'कौषिक'
(2) बेचन षर्मा 'उग्र'
(3) भगवती प्रसाद बाजपेयी
(4) वृंदावनलाल वर्मा।

अंक विभाजन–	वस्तुनिष्ठ प्रश्न – 10 × 1 = 10	
	दीर्घ उत्तरीय प्रश्न – 5 × 6 = 30	
		40
आंतरिक मूल्यांकन	+	10
	कुल –	50

संदर्भः– 1.प्रेमचंद घर में–षिवरानी देवी,

2. प्रेमचंद कलम का सिपाही–अमृतराय,

3.प्रेमचंद और गोर्की– षचीरानी गुर्टु,

4.प्रेमचंद और गाँधीवाद–रामदीन गुप्त,

5.प्रेमचंद एक अध्ययन–राजेष्वर 'गुरू',

6.प्रेमचंद के उपन्यासों की षिल्प विधि–डॉ. कमलकिषोर गोयनका,

7.प्रेमचंद के स्त्री पात्र–प्रयागराज मेहता।

रानी दुर्गावती विष्वविद्यालय, जबलपुर

एम. ए.(हिन्दी) सेमेस्टर पद्धति, तृतीय सेमेस्टर सत्रः– 2015–16

निर्धारित पाठ्यक्रम **पूर्णांक–40**

प्रष्नपत्र–चतुर्थ : वैकल्पिक (ख) व्यवसायिक वर्ग–(1)प्रयोजनमूलक हिन्दी

इकाई –1– कामकाजी हिन्दी–

1.हिन्दी के विभिन्न रूप– सर्जनात्मक भाषा, संचार भाषा, राजभाषा, माध्यम भाषा, मातृभाषा।

2.कार्यालयीन हिन्दी, राजभाषा के प्रमुख प्रकार्य :–प्रारूपण, पत्र–लेखन, संक्षेपण, पल्लवन, टिप्पणी।

इकाई –2– पारिभाषिक षब्दावली– स्वरूप एवं महत्व, पारिभाषिक षब्दावली के उदाहराणार्थ एवं उनका व्यवहारिक प्रयोग।

इकाई –3– हिन्दी कंप्यूटिंग–

1. कंप्यूटर : परिचय, रूपरेखा, उपयोग तथा बेब पब्लिषिंग का परिचय। 2. इंटरनेट, संपर्क उपकरणों का परिचय, प्राथमिक रख–रखाव एवं इंटरनेट समय मितव्ययिता के सूत्र। 3. बेब पब्लिकेषन। 4. इंटर एक्सरलोइट अथवा नेट स्केप। 5. लिंक, ब्राउजिंग पोर्टल, ईमेल भेजना/प्राप्त करना, हिन्दी के प्रमुख इंटरनेट पोर्टल, डाउनलोडिंग एवं अपलोडिंग की सॉफ्टवेयर पैकेज।

इकाई –4– पत्रकारिता :– स्वरूप एवं विभिन्न प्रकार। 2. हिन्दी समाचार लेखन का संक्षिप्त इतिहास। 3. समाचार लेखन कला। 4.संपादन के आधारभूत तत्व, 5.व्यवहारिक रूप प्रुफषोधन।

इकाई –5– 1.पत्रकारिता : षीर्षक की संरचना, लीड, इंट्रो एवं षीर्षक संपादन। 2.संपादकीय लेखन, 3. पृष्ठसज्जा, 4.साक्षात्कार, पत्रकार वार्ता एवं प्रेस प्रबंधन, 5.प्रमुख प्रेस कानून एवं आचार संहिता।

अंक विभाजन–	वस्तुनिष्ठ प्रश्न – 10 × 1 = 10	
	दीर्घ उत्तरीय प्रश्न – 5 × 6 = 30	
		40
आंतरिक मूल्यांकन	+	10
	कुल –	50

संदर्भ ग्रंथ–

1.प्रयोजनमूलक हिन्दी–डॉ.आर.सी.त्रिपाठी–कैलाष पुस्तक सदन,भोपाल।

रानी दुर्गावती विष्वविद्यालय, जबलपुर

एम. ए.(हिन्दी) सेमेस्टर पद्धति, तृतीय सेमेस्टर सत्रः– 2015–16

निर्धारित पाठ्यक्रम **पूर्णांक–40**

प्रष्नपत्र–चतुर्थ : वैकल्पिक (ख) व्यवसायिक वर्ग–(2)अनुवाद विज्ञान

इकाई –1– अनुवाद की परिभाषा, स्वरूप, क्षेत्र और सीमाएँ।

इकाई –2– अनुवाद कला, विज्ञान या षिल्प। अनुवाद की इकाई : षब्द, पदबंध, वाक्य, पाठ।

इकाई –3– अनुवाद की प्रक्रिया और प्रविधि : विष्लेषण, अंतरण, पुनर्गठन। अनुवाद प्रक्रिया के विभिन्न चरण, स्त्रोत भाषा के पाठ का विष्लेषण एवं उसके अर्थग्रहण की प्रक्रिया, स्त्रोत भाषा और लक्ष्य भाषा की तुलना।

इकाई –4– अनुवाद के क्षेत्र एवं प्रकार– कार्यालयीन, वैज्ञानिक एवं तकनीकी, साहित्यिक, मानविकी, संचार माध्यम, विज्ञापन आदि।

इकाई –5– अनुवाद की समस्याएं– स्रजनात्मक अथवा साहित्यिक अनुवाद की समस्याऐं, कार्यालयीन अनुवाद की समस्याऐं, वैज्ञानिक एवं तकनीकी साहित्य के अनुवाद की समस्याऐं। कोष एवं पारिभाषिक षब्दावली के निर्माण की समस्याऐं। मीडिया क्षेत्र के अनुवाद की समस्याऐं। विज्ञापन के अनुवाद की समस्याऐं।

अंक विभाजन–	वस्तुनिष्ठ प्रश्न – 10 × 1 = 10	
	दीर्घ उत्तरीय प्रश्न – 5 × 6 = 30	
		40
आंतरिक मूल्यांकन	+	10
	कुल –	50

रानी दुर्गावती विष्वविद्यालय, जबलपुर

एम. ए.(हिन्दी) सेमेस्टर पद्धति, तृतीय सेमेस्टर सत्रः– 2015–16

निर्धारित पाठ्यक्रम **पूर्णांक–40**

प्रष्नपत्र–चतुर्थ : वैकल्पिक (ख) व्यवसायिक वर्ग–(6)दृष्य–श्रव्य माध्यम लेखन

इकाई –1– माध्यमोपयोगी लेखन का स्वरूप और प्रमुख प्रकार।

इकाई –2– रेडियो नाटकों का इतिहास, पाठय नाटक और रेडियो नाटक का अंतर।

इकाई –3– टी. वी. नाटक की तकनीक।

इकाई –4– साहित्यिक विधाओं की द।

इकाई –5–अनुवाद की समस्याएं– स्रजनात्मक अथवा साहित्यिक अनुवाद की समस्याऐं, कार्यालयीन अनुवाद की समस्याऐं, वैज्ञानिक एवं तकनीकी साहित्य के अनुवाद की समस्याऐं। कोष एवं पारिभाषिक षब्दावली के निर्माण की समस्याऐं। मीडिया क्षेत्र के अनुवाद की समस्याऐं। विज्ञापन के अनुवाद की समस्याऐं।

अंक विभाजन–	वस्तुनिष्ठ प्रश्न	– 10 × 1 = 10
	दीर्घ उत्तरीय प्रश्न	– 5 × 6 = 30
		40
आंतरिक मूल्यांकन		+ 10
	कुल –	50

रानी दुर्गावती विष्वविद्यालय, जबलपुर

एम. ए.(हिन्दी) सेमेस्टर पद्धति, तृतीय सेमेस्टर सत्रः– 2015–16

निर्धारित पाठ्यक्रम **पूर्णांक–40**

प्रष्नपत्र–चतुर्थ : वैकल्पिक (ग) लोक साहित्य

इकाई –1– लोक साहित्य का आषय, लोक साहित्य के संकलन की समस्याएँ।

इकाई –2–लोक साहित्य के प्रमुख रूपों का वर्गीकरण– लोकगीत, लोकनाट्य, लोककथा, लोकगाथा, लोकनृत्य–नाट्य लोकसंगीत।

इकाई –3– लोक–नाटय रामलीला, रासलीला, कीर्तनियाँ, स्वांग, यक्षगान, भवाई संपेड़ा, विदेसिया, माच, भौंड़, तमाषा, नौटंकी, जात्रा, कथकली।

इकाई –4– हिन्दी लोक–नाट्य की परंपरा एवं प्रविधि। हिन्दी नाटक और रंगमंच पर लोक नाट्यों का प्रभाव।

इकाई –5– लोक–कथा : व्रत–कथा, परा–कथा, नाग–कथा, बोध–कथा, कथानक–रूढ़ियाँ अथवा अभिप्राय

अंक विभाजन–	वस्तुनिष्ठ प्रश्न – 10 × 1 = 10	
	दीर्घ उत्तरीय प्रश्न – 5 × 6 = 30	
		40
आंतरिक मूल्यांकन	+	10
	कुल –	50

संदर्भ–1.लोक साहित्य विज्ञान–डॉ. सत्येन्द्र, षिवलाल अग्रवाल एण्ड संस,

2.लोक साहित्य की भूमिका–कृष्णदेव उपाध्याय, साहित्य भवन, इलाहबाद,

3.लोक साहित्य का अध्ययन–डॉ. त्रिलोचन पांडेय, प्रवीण प्रकाषन, दिल्ली,

4.लोक संस्कृति की रूपरेखा– कृष्णदेव उपाध्याय, लोक संस्कृति षोध संस्थान, वाराणसी,

5. लोक परंपरा–पहचान और प्रवाह–ष्यापसुंदर दुबे, राजकमल प्रकाषन, दिल्ली,

6.बुंदेलखण्ड के लोकगीत–डॉ. सुषमा दुबे, सुरुचि प्रकाषन, जबलपुर।

रानी दुर्गावती विष्वविद्यालय, जबलपुर

एम. ए.(हिन्दी) सेमेस्टर पद्धति, चतुर्थ सेमेस्टर सत्रः– 2015–16

निर्धारित पाठ्यक्रम **पूर्णांक–40**

प्रष्नपत्र–प्रथम : आधुनिक हिन्दी काव्य

इकाई –1– वाक्यांष– (1) अज्ञेय– नदी के द्वीप, असाध्य वीणा।
(2) मुक्तिबोध– भूल गलती, अंधेरे में।
(3) भवानी प्रसाद मिश्र– गीत फ़रोष, सतपुड़ा के घने जंगल।
(4) केदारनाथ अग्रवाल– हवा हूँ हवा मै बसंती हवा हूँ, पैतृक संपत्ति (फूल नहीं रंग बोलते हैं संकलन से)।

इकाई –2– अज्ञेय से संबंधित समीक्षात्मक प्रष्न।

इकाई –3– मुक्तिबोध से संबंधित समीक्षात्मक प्रष्न।

इकाई –4– भवानी प्रसाद मिश्र, केदारनाथ अग्रवाल से संबंधित समीक्षात्मक प्रष्न।

इकाई –5– द्रुतपाठ– त्रिलोचन, सुदामा प्रसाद 'धूमिल', नागार्जुन, दुष्यंत कुमार त्यागी, रघुवीर सहाय, सर्वेष्वर दयाल सक्सेना।

अंक विभाजन–	वस्तुनिष्ठ प्रश्न – 10 × 1 = 10	
	दीर्घ उत्तरीय प्रश्न – 5 × 6 = 30	
		40
आंतरिक मूल्यांकन	+	10
	कुल –	50

संदर्भ ग्रंथ–

1.कविता के नये प्रतिमान–डॉ.नामवर सिंह

2.नई कविता : स्वरूप और समस्याएँ– डॉ. जगदीष चंद्र गुप्त

3.कविता के नये प्रतिमान–डॉ. लक्ष्मीकांत वर्मा

4.स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी कविता की विभिन्न प्रकृतियाँ–डॉ. सुषमा दुबे

5.मुक्तिबोध : कविता जीवन विवके– चंद्रकांत देवताले, राजकमल प्रकाषन दिल्ली

6.निराला और मुक्तिबोध–नंदकिषोर नवल, राधा प्रकाषन दिल्ली

7.आधुनिक हिन्दी कविता में बिंब विधान का विकास– केदारनाथ सिंह,

8.नयी कविता और अस्तित्ववाद–डॉ. रामविलास षर्मा, राजकमल प्रकाषन दिल्ली,

9.नयी कविता का आत्मसंघर्ष–मुक्तिबोध, राजकमल प्रकाषन दिल्ली।

रानी दुर्गावती विष्वविद्यालय, जबलपुर

एम. ए.(हिन्दी) सेमेस्टर पद्धति, चतुर्थ सेमेस्टर सत्रः– 2015–16

निर्धारित पाठ्यक्रम **पूर्णांक–40**

प्रष्नपत्र–द्वितीय : भाषा विज्ञान एवं हिन्दी भाषा

इकाई –1– हिन्दी की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि– प्राचीन भारतीय आर्य भाषाएँ– वैदिक तथा लौकिक संस्कृति और उनकी विषेषताएँ। मध्यकालीन भारतीय आर्य भाषाएँ– पालि, प्राकृत–षौरसेनी अर्ध मागधी, अपभ्रंष और उनकी विषेषताएँ। आधुनिक आर्य भाषाएँ और उनका वर्गीकरण।

इकाई –2– हिन्दी का भौगोलिक विस्तार : हिन्दी की उपभाषाएँ, पष्चिमी हिन्दी, पूर्वी हिन्दी, राजस्थानी, बिहारी तथा पहाड़ी और उनकी बोलियाँ। खड़ीबोली, ब्रज और अवधी की विषेषताएँ।

इकाई –3– हिन्दी का भाषिक स्वरूप : हिन्दी की स्वनिम व्यवस्था–खंड्य, खंड्येतर। हिन्दी षब्द–रचना, उपसर्ग, प्रत्यय, समास। रूप रचना–लिंग, वचन और कारक– व्यवस्था के संदर्भ में, हिन्दी की संज्ञा, सर्वनाम, विषेषण और क्रिया रूप। हिन्दी वाक्य, पदक्रम और अन्विति।

इकाई –4– हिन्दी के विविध रूप : संपर्क भाषा, राष्ट्रभाषा, राजभाषा, के रूप में हिन्दी, माध्यम–भाषा, संचार–भाषा, हिन्दी की संवैधानिक स्थिति।

इकाई –5– हिन्दी में कंप्यूटर सुविधाएँ : आंकड़ा–संसाधन और षब्द संसाधन, वर्तनी, मषीनी अनुवाद, हिन्दी भाषा–षिक्षण, देवनागरी लिपि– विषेषताएँ और मानकीकरण।

अंक विभाजन–	वस्तुनिष्ठ प्रश्न – 10 × 1 = 10	
	दीर्घ उत्तरीय प्रश्न – 5 × 6 = 30	
		40
आंतरिक मूल्यांकन	+	10
	कुल –	50

संदर्भ ग्रंथ–

1.हिन्दी भाषा का उद्भव और विकास–डॉ. उदयनारायण तिवारी

2.भाषा विज्ञान–डॉ. भोलानाथ तिवारी

3.प्रयोजनमूलक हिन्दी–डॉ. आर.सी. त्रिपाठी, कैलाष पुस्तक सदन, भोपाल,

4.हिन्दी व्याकरण– कामता प्रसाद 'गुरू',नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी।

रानी दुर्गावती विष्वविद्यालय, जबलपुर

एम. ए.(हिन्दी) सेमेस्टर पद्धति, चतुर्थ सेमेस्टर सत्रः– 2015–16

निर्धारित पाठ्यक्रम **पूर्णांक–40**

प्रष्नपत्र–तृतीय : नाटक निबंध एवं अन्य गद्य विधाएँ

इकाई –1– हिन्दी गद्य विधाओं का स्वरूप एवं प्रवृत्तियाँ– निबंध, जीवनी, आत्मकथा, संस्मरण, यात्रा वृत्तांत, रिपोर्ताज, डायरी एवं फीचर लेख।

इकाई –2– आचार्य रामचंद्र षुक्ल– चिंतामणि– कविता क्या है, श्रद्धा और भक्ति, क्रोध।

इकाई –3– आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी– कल्पलता– ,अषोक के फूल, नाखून क्यों बढ़ते हैं,कुटज।

इकाई –4– हरिषंकर परसाई– प्रतिनिधि व्यंग्य– विकलांग श्रद्धा का दौर, भोलाराम का जीव, एक दीक्षांत भाषण।

इकाई –5– महादेवी वर्मा– पथ के साथी– रवीन्द्रनाथ टैगोर, मैथिलीषरण गुप्त, सुभद्राकुमारी चौहान, सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'।

अंक विभाजन–	वस्तुनिष्ठ प्रश्न – 10 × 1 = 10	
	दीर्घ उत्तरीय प्रश्न – 5 × 6 = 30	
		40
आंतरिक मूल्यांकन	+	10
	कुल –	50

संदर्भ ग्रंथ–

1.हिन्दी निबंध के आधार स्तंभ–डॉ. हरिमोहन, तक्षषिला प्रकाषन, दिल्ली,

2.प्रतिनिधि हिन्दी निबंधकार– डॉ. हरिमोहन, तक्षषिला प्रकाषन, दिल्ली।

रानी दुर्गावती विष्वविद्यालय, जबलपुर

एम. ए.(हिन्दी) सेमेस्टर पद्धति, चतुर्थ सेमेस्टर सत्रः– 2015–16

निर्धारित पाठ्यक्रम **पूर्णांक–40**

प्रष्नपत्र–चतुर्थ : वैकल्पिक (क) साहित्यिक वर्ग–कबीरदास

इकाई –1– व्याख्याएँ– कबीर ग्रंथावली–डॉ.ष्यामसुंदरदास–
व्याख्या एवं विवेचना के लिए कबीर ग्रंथावली से निम्नलिखित अंष निर्धारित हैं–
क. पद प्रारंभिक 25 पद।
ख. रमैणी समग्र।

इकाई –2– आलोचनात्मक प्रष्न– निर्गुण संप्रदाय और कबीर, संत काव्यधारा में कबीर का स्थान, कबीर का दर्षन एवं भक्ति भावना।

इकाई –3– कबीर के दार्षनिक विचार, कबीर की काव्य प्रतिभा, भाषा एवं अभिव्यंजना; कबीर का रहस्यवाद, हठयोग की साधना; कबीर का समाज सुधारक रूप एवं युग सापेक्षता।

इकाई –4– कबीर की साखियों का महत्व, कबीर की योग परक रूपक और उलटबासियाँ।

इकाई –5– द्रुतपाठ– (1) नानक (2) दादू
(3) पीपा (4)रैदास

अंक विभाजन–	वस्तुनिष्ठ प्रश्न – 10 × 1 = 10	
	दीर्घ उत्तरीय प्रश्न – 5 × 6 = 30	
		40
आंतरिक मूल्यांकन	+	10
	कुल –	50

संदर्भः– 1.कबीर ग्रंथावली– डॉ. ष्यामसुंदर दास

2.कबीरदास– डॉ. कांतिकुमार जैन, किताबघर ग्वालियर

3.संत कबीर– डॉ. रामकुमार वर्मा

4.कबीर एक अनुषीलन– डॉ. रामकुमार वर्मा, साहित्य भवन, इलाहबाद

5.कबीर का रहस्यवाद– डॉ. रामकुमार वर्मा, साहित्य भवन, इलाहबाद

रानी दुर्गावती विष्वविद्यालय, जबलपुर

एम. ए.(हिन्दी) सेमेस्टर पद्धति, चतुर्थ सेमेस्टर सत्रः– 2015–16

निर्धारित पाठ्यक्रम **पूर्णांक–40**

प्रष्नपत्र–चतुर्थ : वैकल्पिक (क) साहित्यिक वर्ग–तुलसीदास

इकाई –1– पाठ्य विषय–रामचरितमानस, कवितावली, विनय पत्रिका(गीताप्रेस–गोरखपुर)
वाक्यांष–रामचरितमानस–बालकाण्ड,अयोध्याकाण्ड,उत्तरकाण्ड, कवितावली, विनयपत्रिका।

इकाई –2– रामभक्ति काव्यधारा का परिचय एवं प्रवृत्तियाँ।

इकाई –3– तुलसीयुगीन पृष्ठभूमि, जीवनी एवं कृतित्व।

इकाई –4– तुलसी की भक्ति, दर्षन तथा कृतियों से संबंधित प्रष्न।

इकाई –5– द्रुतपाठ– रामभक्ति धारा के अन्य कवियों का अवदान रामानंद, विष्णुदास, केषवदास।

अंक विभाजन–	वस्तुनिष्ठ प्रश्न – 10 × 1 = 10	
	दीर्घ उत्तरीय प्रश्न – 5 × 6 = 30	
		40
आंतरिक मूल्यांकन	+	10
	कुल –	50

संदर्भः– 1.तुलसी साहित्य सुधा– डॉ. भागीरथ मिश्र, साहित्य भवन इलाहबाद

2. तुलसी रसायन– डॉ. भागीरथ मिश्र, साहित्य भवन इलाहबाद

3.गोस्वामी तुलसी कृत रामचरितमानस 'श्री विनायकी टीका'–म.प्र. हिन्दी साहित्य सम्मेलन भोपाल

4.तुलसी काव्य मीमांसा– उदयभानुसिंह, राजकमल प्रकाषन, दिल्ली

5.रामचरितमानस एक साहित्यिक मूल्यांकन– राजकमल प्रकाषन, दिल्ली।

रानी दुर्गावती विष्वविद्यालय, जबलपुर

एम. ए.(हिन्दी) सेमेस्टर पद्धति, चतुर्थ सेमेस्टर सत्रः– 2015–16

निर्धारित पाठ्यक्रम **पूर्णांक–40**

प्रष्नपत्र–चतुर्थ : वैकल्पिक (क) साहित्यिक वर्ग–सूरदास

इकाई –1– सूरसागर दषम स्कंध पूर्वार्द्ध (संपा. नंददुलारे बाजपेयी)।
इकाई –2– भक्तिकाल की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि एवं विविध काव्य धाराएँ।
इकाई –3– कृष्ण भक्ति काव्यधारा का परिचय एवं प्रवृत्तियाँ एवं अष्टछाप कवि।
इकाई –4– सूर साहित्य की पृष्ठभूमि जीवन एवं रचनाएँ।
इकाई –5– द्रुतपाठ– (1) चतुर्भुजदास,
(2) नंददास,
(3) रसखान,
(4) मीरा।

अंक विभाजन–	वस्तुनिष्ठ प्रश्न – 10 × 1 = 10	
	दीर्घ उत्तरीय प्रश्न – 5 × 6 = 30	
		40
आंतरिक मूल्यांकन	+	10
	कुल –	50

संदर्भः–

1.सूरसागर सार–डॉ. धीरेन्द्र वर्मा, साहित्य भवन, इलाहबाद,

2.सूर साहित्य– आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाषन, दिल्ली,

3.मध्यकालीन धर्मसाधना– आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, साहित्य भवन प्रकाषन, इलाहबाद,

4.महाकवि सूर : एक पुनष्चिंतन– डॉ. ब्रजेष्वर वर्मा

5.महाकवि सूरदास– आचार्य नंददुलारे बाजपेयी, राजकमल प्रकाषन, दिल्ली।

रानी दुर्गावती विष्वविद्यालय, जबलपुर

एम. ए.(हिन्दी) सेमेस्टर पद्धति, चतुर्थ सेमेस्टर सत्रः– 2015–16

निर्धारित पाठ्यक्रम **पूर्णांक–40**

प्रष्नपत्र–चतुर्थ : वैकल्पिक (क) साहित्यिक वर्ग–सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'

इकाई –1– व्याख्यांष– अपरा, गीतिका, तुलसीदास, नये पत्ते।

इकाई –2– छायावाद और छायावादोत्तर काव्य परिवेष तथा पृष्ठभूमि।

इकाई –3– निराला का व्यक्तित्व और कृतित्व।

इकाई –4– निराला पर आलोचनात्मक प्रष्न।

इकाई –5– द्रुतपाठ– (1) सुमित्रानंदन पंत
(2) महादेवी वर्मा
(3) माखनलाल चतुर्वेदी
(4) षिवमंगल सिंह 'सुमन'

अंक विभाजन–	वस्तुनिष्ठ प्रश्न – 10 × 1 = 10	
	दीर्घ उत्तरीय प्रश्न – 5 × 6 = 30	
		40
आंतरिक मूल्यांकन	+	10
	कुल –	50

संदर्भः– 1.निराला की साहित्य साधना– डॉ. रामविलास षर्मा, राजकमल प्रकाषन, दिल्ली।

रानी दुर्गावती विष्वविद्यालय, जबलपुर

एम. ए.(हिन्दी) सेमेस्टर पद्धति, चतुर्थ सेमेस्टर सत्रः– 2015–16

निर्धारित पाठ्यक्रम **पूर्णांक–40**

प्रष्नपत्र–चतुर्थ : वैकल्पिक (क) साहित्यिक वर्ग–माखनलाल चतुर्वेदी

1.व्याख्यांष– साहित्य देवता, दीप से दीप जले।

2.राष्ट्रीय काव्यधारा का परिवेष तथा पृष्ठभूमि।

3.माखनलाल चतुर्वेदी का व्यक्तित्व और कृतित्व।

4.माखनलाल चतुर्वेदी कर आलोचनात्मक प्रष्न।

5.द्रुतपाठ– (1) मैथिलीषरण गुप्त,
(2) बालकृष्ण षर्मा'नवीन',
(3) नरेन्द्र षर्मा
(4) गयाप्रसाद षुक्ल 'सनेही',
(5) षिवमंगल सिंह 'सुमन'।

अंक विभाजन–	वस्तुनिष्ठ प्रश्न – 10 × 1 = 10	
	दीर्घ उत्तरीय प्रश्न – 5 × 6 = 30	
		40
आंतरिक मूल्यांकन	+	10
	कुल –	50

संदर्भ ग्रंथ :– 1. माखनलाल चतुर्वेदी–जीवन–ऋषि जैमिनी कौषिक बरुआ।

रानी दुर्गावती विष्वविद्यालय, जबलपुर

एम. ए.(हिन्दी) सेमेस्टर पद्धति, चतुर्थ सेमेस्टर सत्रः– 2015–16

निर्धारित पाठ्यक्रम **पूर्णांक–40**

प्रष्नपत्र–चतुर्थ : वैकल्पिक (क) साहित्यिक वर्ग–नाटककार जयषंकर प्रसाद

इकाई –1– व्याख्यांष– जनमेजय का नागयज्ञ, अजातषत्रु, ध्रुवस्वामिनी।
इकाई –2– हिन्दी नाटक परंपरा और प्रगति तथा प्रसाद की नाट्य यात्रा।
इकाई –3– प्रसाद के नाटकों की पृष्ठभूमि, रंगमंचीय परिकल्पना तथा नाट्यषास्त्रीय चिंतन।
इकाई –4– प्रसाद के पाठ्य नाटकों पर आलोचनात्मक प्रष्न।
इकाई –5– द्रुतपाठ– (1) सेठ गोविंददास,
(2) भुवनेष्वर,
(3) मोहन राकेष,
(4) सुरेन्द्र वर्मा।

अंक विभाजन–	वस्तुनिष्ठ प्रश्न – 10 × 1 = 10	
	दीर्घ उत्तरीय प्रश्न – 5 × 6 = 30	
		40
आंतरिक मूल्यांकन	+	10
	कुल –	50

संदर्भः–

1.हिन्दी नाटक : उद्भव और विकास– डॉ. दषरथ ओझा, राजपाल एण्ड संस, दिल्ली,

2.प्रसाद के नाटकों का षास्त्रीय अध्ययन– डॉ. जगन्नाथ प्रसाद षर्मा,वाणी प्रकाषन,

3.प्रसाद के नाटकीयपात्र सृष्टि का मनोवैज्ञानिक विष्लेषण–डॉ. राधेष्याम षर्मा, चिन्मय प्रकाषन, दिल्ली,

4.जयषंकर प्रसाद साहित्य–संपादक– सुधाकर पाण्डेय, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी,

5.बीसवींषताब्दी का हिन्दी नाटक और रंगमंच–गिरीष रस्तोगी–भारतीय ज्ञानपीठ, दिल्ली।

रानी दुर्गावती विष्वविद्यालय, जबलपुर

एम. ए.(हिन्दी) सेमेस्टर पद्धति, चतुर्थ सेमेस्टर सत्रः– 2015–16

निर्धारित पाठ्यक्रम **पूर्णांक–40**

प्रष्नपत्र–चतुर्थ : वैकल्पिक (क) साहित्यिक वर्ग–मोहन राकेष

इकाई –1– व्याख्यांष– आधे–अधूरे, मिट्टी की गाड़ी (अनुदित नाटक)।

इकाई –2– हिन्दी नाटक की परंपरा और मोहन राकेष।

इकाई –3– समकालीन सामाजिक परिस्थितियाँ और मोहन राकेष।

इकाई –4– मोहन राकेष के पठित नाटकों पर आलोचनात्मक प्रष्न।

इकाई –5– द्रुतपाठ– (1) भुवनेष्वर
(2) लक्ष्मीनारायण मिश्र
(3) धर्मवीर भारती
(4) सुरेन्द्र वर्मा।

अंक विभाजन–	वस्तुनिष्ठ प्रश्न – 10 × 1 = 10	
	दीर्घ उत्तरीय प्रश्न – 5 × 6 = 30	
		40
आंतरिक मूल्यांकन	+	10
	कुल –	50

संदर्भः–

1.बीसवींषताब्दी का हिन्दी नाटक और रंगमंच–गिरीष रस्तोगी–भारतीय ज्ञानपीठ, दिल्ली,

2.हिन्दी नाटक : उद्‌भव और विकास–डॉ. दषरथ ओझा, राजपाल एण्ड संस, दिल्ली।

रानी दुर्गावती विष्वविद्यालय, जबलपुर

एम. ए.(हिन्दी) सेमेस्टर पद्धति, चतुर्थ सेमेस्टर सत्रः– 2015–16

निर्धारित पाठ्यक्रम **पूर्णांक–40**

प्रष्नपत्र–चतुर्थ : वैकल्पिक (क) साहित्यिक वर्ग–कथाकार प्रेमचंद

इकाई –1– व्याख्यांष–गबन, रंगभूमि, कर्मभूमि (उपन्यास), कहानी– ठाकुर का कुँआ, पंच परमेष्वर, मंत्र, कफ़न, ईदगाह, पूस की रात, दो बैलों की कथा, नमक का दरोगा, कजाकी, सद्गति।

इकाई –2– प्रेमचंद जीवन एवं रचना यात्रा :– उपन्यास, कहानी, पत्रकारिता।

इकाई –3– प्रेमचंद के पाठ्य उपन्यासों की समीक्षा।

इकाई –4– प्रेमचंद की पाठ्य कहानियों की समीक्षा।

इकाई –5– द्रुतपाठ– (1) जैनेन्द्र कुमार
(2) यषपाल
(3) भगवती चरण वर्मा
(4) अमृतलाल नागर।

अंक विभाजन–	वस्तुनिष्ठ प्रश्न – 10 × 1 = 10	
	दीर्घ उत्तरीय प्रश्न – 5 × 6 = 30	
		40
आंतरिक मूल्यांकन	+	10
	कुल –	50

संदर्भ ग्रंथ–

1.प्रेमचंद और उनका युग–डॉ. रामविलास षर्मा, राजकमल प्रकाषन, दिल्ली,

2. प्रेमचंद के उपन्यासों की षिल्प विधि का विकास–डॉ. कमलकिषोर गोयनका,

3.प्रेमंचद : एक विवेचन– डॉ.इन्द्रनाथ मदान,

4. प्रेमचंद – नरेन्द्र कोहली, वाणी प्रकाषन, दिल्ली।

रानी दुर्गावती विष्वविद्यालय, जबलपुर

एम. ए.(हिन्दी) सेमेस्टर पद्धति, चतुर्थ सेमेस्टर सत्रः– 2015–16

निर्धारित पाठ्यक्रम **पूर्णांक–40**

प्रष्नपत्र–चतुर्थ : वैकल्पिक (ख) व्यवसायिक वर्ग–(1)प्रयोजनमूलक हिन्दी

इकाई –1– मीडिया लेखन,
2.जनसंचार–प्रौद्योगिकी एवं चुनौतियाँ,
3.विभिन्न जनसंचार माध्यमों का स्वरूप–मुद्रण, श्रव्य, दृष्य–श्रव्य, इंटरनेट।
4.श्रव्य माध्यम–रेडियो,
5. मौखिक भाषा की प्रकृति, समाचार लेखन एवं वाचन, रेडियो नाटक, उद्घोषणा लेखन, विज्ञापन लेखन, फीचर तथा रिपोतार्ज।

इकाई –2–
1.दृष्य–श्रव्य माध्यम (फिल्म, टेलीविजन, वीडियो), दृष्य माध्यमों में भाषा की प्रकृति, दृष्य एवं श्रव्य सामग्री का सामंजस्य, पार्ष्व वाचन (वायस ओवर), पटकथा लेखन, टेलीड्रामा, डॉक्यूड्रामा, संवाद–लेखन, साहित्य की विधाओं का दृष्य माध्यमों का रूपांतरण, विज्ञापन की भाषा।
2.इंटरनेट सामग्री सृजन(Content Creation)।

इकाई –3– 1.अनुवाद का स्वरूप, क्षेत्र, प्रक्रिया एवं प्रविधि।
2.हिन्दी की प्रयोजनीयता में अनुवाद की भूमिका।
3.कार्यालयीन हिन्दी और अनुवाद।
4.जनसंचार माध्यमों का अनुवाद।
5.विज्ञापन में अनुवाद।
6. वैचारिक साहित्य का अनुवाद।

इकाई –4– वाणिज्यिक अनुवाद।
2.वैज्ञानिक, तकनीकी तथा प्रौद्योगिकी क्षेत्र में अनुवाद।
3.विधि–साहित्य की हिन्दी और अनुवाद।
4. व्यवहारिक अनुवाद अभ्यास।
5.कार्यालयीन अनुवाद– कार्यालयीन एवं प्रषासनिक षब्दावली, प्रषासनिक प्रयुक्तियाँ, पदनाम, विभाग आदि।
6. पत्रों के अनुवाद।
7.पदनामों, अनुभागों, दस्तावेजों, प्रतिवेदनों के अनुवाद।

इकाई –5– बैंक साहित्य के अनुवाद का अभ्यास।
2.विधि साहित्य के अनुवाद का अभ्यास।
3.साहित्यिक अनुवाद के सिद्धांत एवं व्यवहार : नाटक, कहानी, निबंध।
4.सारानुवाद।
5.दुभाषिया प्रविधि।
6.अनुवाद पुनरीक्षण एवं मूल्यांकन।

अंक विभाजन–

वस्तुनिष्ठ प्रश्न	– 10 × 1 = 10
दीर्घ उत्तरीय प्रश्न	– 5 × 6 = 30
	40
आंतरिक मूल्यांकन	+ 10
कुल –	50

संदर्भ–प्रयोजनमूलक हिन्दी–डॉ.आर.सी.त्रिपाठी

प्रकाषन–कैलाष पुस्तक सदन,भोपाल।

रानी दुर्गावती विष्वविद्यालय, जबलपुर

एम. ए.(हिन्दी) सेमेस्टर पद्धति, चतुर्थ सेमेस्टर सत्रः– 2015–16

निर्धारित पाठ्यक्रम पूर्णांक–40

प्रष्नपत्र–चतुर्थ : वैकल्पिक (ख) व्यवसायिक वर्ग–(2)अनुवाद विज्ञान

इकाई –1– अनुवाद की परिभाषा, स्वरूप, क्षेत्र और सीमाएँ।

इकाई –2– अनुवाद कला, विज्ञान या षिल्प। अनुवाद की इकाई : षब्द, पदबंध, वाक्य, पाठ।

इकाई –3– अनुवाद की प्रक्रिया और प्रविधि : विष्लेष्ण, अंतरण, पुनर्गठन। अनुवाद प्रक्रिया के विभिन्न चरण, स्त्रोत भाषा के पाठ का विष्लेष्ण एवं उसके अर्थग्रहण की प्रक्रिया, स्त्रोत भाषा और लक्ष्य भाषा की तुलना।

इकाई –4– अनुवाद के क्षेत्र एवं प्रकार– कार्यालयीन, वैज्ञानिक एवं तकनीकी, साहित्यिक, मानविकी, संचार माध्यम, विज्ञापन आदि।

इकाई –5– अनुवाद की समस्याएं– स्रजनात्मक अथवा साहित्यिक अनुवाद की समस्याऐं, कार्यालयीन अनुवाद की समस्याऐं, वैज्ञानिक एवं तकनीकी साहित्य के अनुवाद की समस्याऐं। कोष एवं पारिभाषिक षब्दावली के निर्माण की समस्याऐं। मीडिया क्षेत्र के अनुवाद की समस्याऐं। विज्ञापन के अनुवाद की समस्याऐं।

अंक विभाजन–	वस्तुनिष्ठ प्रश्न – 10 × 1 = 10	
	दीर्घ उत्तरीय प्रश्न – 5 × 6 = 30	
		40
आंतरिक मूल्यांकन	+	10
	कुल –	50

संदर्भ–प्रयोजनमूलक हिन्दी–डॉ.आर.सी.त्रिपाठी, प्रकाषन–कैलाष पुस्तक सदन,भोपाल।

निर्धारित पाठ्यक्रम **पूर्णांक–40**

प्रश्नपत्र–चतुर्थ : वैकल्पिक (ख) व्यवसायिक वर्ग–(6)दृष्य–श्रव्य माध्यम लेखन

इकाई –1– माध्यमोपयोगी लेखन का स्वरूप और प्रमुख प्रकार। हिन्दी माध्यम लेखन एवं संक्षिप्त इतिहास।

इकाई –2– रेडियो नाटकों का इतिहास, पाठय नाटक और रेडियो नाटक का अंतर। रेडियो नाटक के प्रमुख भेद–रेडियो धारावाहिक, रेडियो रूपांतर, रेडियो फैंटेसी, संगीत–रूपक, आलेख रूपक (डाक्यूमेंट्री)।

इकाई –3– टी. वी. नाटक की तकनीक। टेलीड्रामा, टेली फिल्म, डाक्यूड्रामा, तथा टी.वी. धारावाहिक में साम्य–वैषम्य। संचार माध्यम के अन्य विविध रूप।

इकाई –4– साहित्यिक विधाओं की दृष्य–श्रव्य रूपांतर कला। इलेक्ट्रॉनिक मीडिया द्वारा प्रसारित समाचारों के संकलन–संपादन और प्रस्तुतिकरण की प्रविधि। संचार माध्यमों द्वारा प्रसारित विज्ञापनों की भाषा। विज्ञापन फिल्मों की प्रविधि।

इकाई –5– संचार माध्यमों की भाषा। हिन्दी के समक्ष आधुनिक जनसंचार और सूचना प्रौद्योगिकी की चुनौतियाँ।

अंक विभाजन–	वस्तुनिष्ठ प्रश्न – 10 × 1 = 10	
	दीर्घ उत्तरीय प्रश्न – 5 × 6 = 30	
		40
आंतरिक मूल्यांकन	+	10
	कुल –	50

संदर्भ–प्रयोजनमूलक हिन्दी–डॉ.आर.सी.त्रिपाठी, प्रकाषन–कैलाष पुस्तक सदन,भोपाल।

रानी दुर्गावती विष्वविद्यालय, जबलपुर

एम. ए.(हिन्दी) सेमेस्टर पद्धति, चतुर्थ सेमेस्टर सत्रः– 2015–16

निर्धारित पाठ्यक्रम **पूर्णांक–40**

प्रष्नपत्र–चतुर्थ : वैकल्पिक (ग) लोक साहित्य

इकाई –1– लोक–गाथा, ढोला–मारू गोपीचंद्र–भरथरी, लोरिक, नल–दमयंती, लैला–मजनूँ, हीर–राँझा, सोहनी–महीवाल, लोरिक–चंदा, बगड़ावत आल्हा–हरदौल।

इकाई –2– लोक–संगीत : लोकवाद्य तथा विषिष्ठ लोक धुने।

इकाई –3– लोक–नृत्य नाट्य।

इकाई –4– लोक–भाषा : लोक–सुभाषित, मुहावरे, कहावतें, पहेलियाँ।

इकाई –5– निम्नलिखित जनपदीय भाषाओं के लोक–साहित्य में से किसी एक का अध्ययन : खड़ीबोली, छत्तीसगढ़ी, बघेली, मालवी, बुंदेली।

अंक विभाजन–	वस्तुनिष्ठ प्रश्न – 10 × 1 = 10	
	दीर्घ उत्तरीय प्रश्न – 5 × 6 = 30	
		40
आंतरिक मूल्यांकन	+	10
	कुल –	50

संदर्भ–1.लोक साहित्य विज्ञान–डॉ. सत्येन्द्र, षिवलाल अग्रवाल एण्ड संस,

2.लोक साहित्य की भूमिका–कृष्णदेव उपाध्याय, साहित्य भवन, इलाहबाद,

3.लोक साहित्य का अध्ययन–डॉ. त्रिलोचन पांडेय, प्रवीण प्रकाषन, दिल्ली,

4.लोक संस्कृति की रूपरेखा– कृष्णदेव उपाध्याय, लोक संस्कृति षोध संस्थान, वाराणसी,

5. लोक परंपरा–पहचान और प्रवाह–ष्यापसुंदर दुबे, राजकमल प्रकाषन, दिल्ली,

6.बुंदेलखण्ड के लोकगीत–डॉ. सुषमा दुबे, सुरुचि प्रकाषन, जबलपुर।